

पंबन जल-संधिपर होगा आठ लेन वाले पुल का नरिमाण

चरचा में क्यों?

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने रामेश्वरम द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ने के लिये ₹ 1,250 करोड़ की अनुमानित लागत से पंबन जल-संधिपर विश्व स्तरीय आठ-लेन सड़क पुल के नरिमाण हेतु एक वसितृत परयोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है।

परमुख बदि

- यह पुल मौजूदा 2.345 किलोमीटर लंबे अन्नाई इंदरि गांधी पुल के नकिट ही बनाया जाएगा। बंगलूरू स्थिति फीडबैक इंफ्रा लमिटेड इस परयोजना के लिये डीपीआर तैयार कर रही है।
- मंडपम क्षेत्र में भूमिपर और समुद्र में मृदा परीक्षण का कार्य शुरू किया जा चुका है और डीपीआर दो महीने में पूरी हो जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने परयोजना के लिये धन की मंजूर दे दी है और डीपीआर के पूरा होने के तुरंत बाद कार्य शुरू हो जाएगा।
- एनएचएआई ने पुल के नीचे से नौवहन हेतु पुल की ऊँचाई नरिधारित करने के लिये पंबन बंदरगाह कार्यालय से एक रिपोर्ट मांगी थी। पुल दक्षिण की तरफ बनाया जाएगा और पंबन जलसंधि के हसिसे को कवर करने के बाद यह पंबन क्षेत्र में ज़मीन पर लगभग एक किलोमीटर तक खंभों पर नरिमिति होगा ताकि यह सुनश्चिति किया जा सके कि मानव बस्तियाँ कम-से-कम परभावित हों।
- यह पुल 39 किलोमीटर लंबे परमकुडी-रामानाथापुरम अनुभाग और 63 किलोमीटर लंबे रामानाथापुरम-रामेश्वरम अनुभाग की चार लेन वाली सड़क परयोजना के हसिसे के रूप में मुंबई में केबल पर नरिमिति पुल बांद्रा-वर्ली सी लकि की तर्ज पर बनाया जाएगा।
- जबकि इन अनुभागों में दो लेन वाली सड़क को चार लेन तक बढ़ा दिया गया है, भवषिय की ज़रूरतों पर वचार करते हुए इस पुल में आठ लेन होंगे। मौजूदा सड़क पुल, जो 29 साल से अधिक पुराना है, का इस्तेमाल हल्के मोटर वाहनों के लिये किया जाएगा।
- एनएचएआई द्वारा लगभग 650 करोड़ रुपए की लागत से परमकुडी से रामानाथापुरम तक चार लेन वाली सड़क का वसितार करने के लिये भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया जा चुका है और जल्द ही उस पर काम शुरू कर दिया जाएगा। अब रामानाथापुरम-रामेश्वरम वसितार में भी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।